अमर उजाला

मेडिकल ऑन्कोलॉजी पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

बरेली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बरेली शाखा ने शनिवार को आईएमए भवन में मेडिकल ऑन्कोलॉजी पर क्लीनिकल मीट का आयोजन किया। मुख्य वक्ता मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने 'कैंसर संभावित रोगी के क्लीनिकल अप्रोच' और डॉ. पार्थ एस चौधरी ने 'पीईटी सीटी इमेजिंग एवं ऑन्कोलॉजी में रेडियो आइसोटोप थेरेपी के अपडेट' के बारे में बताया।

अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, सचिव डॉ. अंशु अग्रवाल, चेयरमैन साइंटिफिक कमेटी डॉ. गिरीश अग्रवाल, पीआरओ डॉ. कामेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

पायनियर

न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार : डॉ. पार्था

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

कैंसर जैसे जटिल स्वास्थ्य समस्याओं से निजात पाने के लिए न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार ने निदान की सटीकता बढ़ी है। नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया। सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था जिससे ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें। मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।

दैनिक भास्कर

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र और आईएमए बरेली ने ऑन्कोलॉजी सीएमई का आयोजन किया

बरेली। नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन , बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया।सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए।

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

आईएमए में आंन्कोलाजी पर हुई कॉन्फ्रेस

बरेली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के सहयोग से आंन्कोलॉजी विषय पर क्लिनिकल मीटिंग का आयोजन किया। मुख्य वक्ता डॉ. सुमित गोयल ने कैंसर की संभावनाएं रोगी का क्लिनिकल एप्रोच विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. पार्थ चौधरी ने न्यूक्लियर मेडिसिन में पीईटी सीटी इमेजिंग से जुड़ी नवीन तकनीकों, रेडियो आइसोटोप थेरेपी के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन आईएमए अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव और सचिव डॉ. अंशु अग्रवाल ने किया।

अवधनामा

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र और आई एम ए बरेली ने कैंसर देखभाल में ज्ञान-विनिमय को मजबूत करने के लिए ऑन्कोलॉजी सी एम ई का आयोजन किया

अवधनामा संवाददाता

बरेली। नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन , बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया।सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि, ÷न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।÷ उनके इस संबोधन ने जांच और उपचार दोनों में तकनीक-आधारित प्रीसीसन के महत्व को रेखांकित किया, जो आज कैंसर प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर बदल रहा है।

आज

कैंसर के देखभाल के लिए ऑन्कोलॉजी सीएमई का आयोजन

बरेली । नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ए बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआए जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानोंए उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया।सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञए न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉण् पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉण् सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय.स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना थाए ताकि

ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुएए राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ॰ पार्थ एस॰ चौधरी ने पैट . सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा किए श्न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैंए बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।श् उनके इस संबोधन ने जांच और उपचार दोनों में तकनीक.आधारित प्रीसीसन के महत्व को रेखांकित कियाए जो आज कैंसर प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर बदल रहा है।

Home News

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र और आई एम ए बरेली ने ऑन्कोलॉजी सी एम ई का आयोजन किया

बरेली । नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन , बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया।सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि, ÷न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।÷ उनके इस संबोधन ने जांच और उपचार दोनों में तकनीक-आधारित प्रीसीसन के महत्व को रेखांकित किया, जो आज कैंसर प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर बदल रहा है।डॉ. सुमित गोयल, एसोसिएट डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने संदिग्ध कैंसर वाले रोगियों के क्लीनिकल दृष्टिकोण पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ÷प्रारंभिक चेतावनी संकेतों की समय पर पहचान, व्यवस्थित डायग्नोस्टिक मूल्यांकन और आगे की चिकित्सा के लिए विशेष केंद्रों में उचित रेफरल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।÷ डॉ. गोयल ने यह भी जोर दिया कि, ÷बहुविषयक दृष्टिकोण से निर्देशित समय पर हस्तक्षेप रोगियों की जीवित रहने की संभावना और जीवन-गुणवत्ता को काफी हद तक बेहतर बनाता है।÷ उनके इस सत्र ने सामुदायिक चिकित्सकों को कैंसर की समय पर पहचान और रोगी शिक्षा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने केस स्टडी, रेफरल प्रथाओं और कैंसर निदान एवं उपचार के विकसित होते मानकों पर सार्थक चर्चाएं कीं। इन विचार-विमर्शों ने स्पष्ट किया कि निरंतर चिकित्सा शिक्षा शोध, तकनीक और क्लीनिकल अनुप्रयोग के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करती है।

बरेली में आयोजित यह सी एम ई राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र की ÷नैतिकता, संवेदनशीलता और उत्कृष्टता÷ की विचारधारा का उदाहरण रहा - यह न सिर्फ कैंसर के उपचार तक सीमित है, बल्कि यह कैंसर को समझने और उसके प्रबंधन के तरीके को बदलने के प्रति भी प्रतिबद्ध है। अपने आउट रीच कार्यक्रमों, प्रशिक्षण पहलों और शोध-प्रधान दृष्टिकोण के माध्यम से राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने और चिकित्सा समुदाय को जागरूकता, प्रारंभिक पहचान और उन्नत उपचार के साझा उद्देश्य में सहयोग देने के राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।

जग दर्पण

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र और आई एम ए बरेली ने ऑन्कोलॉजी सी एम ई का आयोजन किया

बरेली । नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन , बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया।सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र

प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि, ÷न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।÷ उनके इस संबोधन ने जांच और उपचार दोनों में तकनीक-आधारित प्रीसीसन के महत्व को रेखांकित किया, जो आज कैंसर प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर बदल रहा है।डॉ. सुमित गोयल, एसोसिएट डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने संदिग्ध कैंसर वाले रोगियों के क्लीनिकल दृष्टिकोण पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ÷प्रारंभिक चेतावनी संकेतों की समय पर पहचान, व्यवस्थित डायग्नोस्टिक मूल्यांकन और आगे की चिकित्सा के लिए विशेष केंद्रों में उचित रेफरल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।÷ डॉ. गोयल ने यह भी जोर दिया कि, ÷बहुविषयक दृष्टिकोण से निर्देशित समय पर हस्तक्षेप रोगियों की जीवित रहने की संभावना और जीवन-गुणवत्ता को काफी हद तक बेहतर बनाता है।÷ उनके इस सत्र ने सामुदायिक चिकित्सकों को कैंसर की समय पर पहचान और रोगी शिक्षा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने केस स्टडी, रेफरल प्रथाओं और कैंसर निदान एवं उपचार के विकसित होते मानकों पर सार्थक चर्चाएं कीं। इन विचार-विमर्शों ने स्पष्ट किया कि निरंतर चिकित्सा शिक्षा शोध, तकनीक और क्लीनिकल अनुप्रयोग के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करती है। बरेली में आयोजित यह सी एम ई राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र की ÷नैतिकता, संवेदनशीलता और उत्कृष्टता÷ की विचारधारा का उदाहरण रहा - यह न सिर्फ कैंसर के उपचार तक सीमित है, बल्कि यह कैंसर को समझने और उसके प्रबंधन के तरीके को बदलने के प्रति भी प्रतिबद्ध है। अपने आउट रीच कार्यक्रमों, प्रशिक्षण पहलों और शोध-प्रधान दृष्टिकोण के माध्यम से राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने और चिकित्सा समुदाय को जागरूकता, प्रारंभिक पहचान और उन्नत उपचार के साझा उद्देश्य में सहयोग देने के राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।

जनमाध्यम

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र और आई एम ए बरेली ने ऑन्कोलॉजी सी एम ई का आयोजन किया

बरेली । नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन , बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया।सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र

प्रस्तुत करते हुए, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि, ÷न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।÷ उनके इस संबोधन ने जांच और उपचार दोनों में तकनीक-आधारित प्रीसीसन के महत्व को रेखांकित किया, जो आज कैंसर प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर बदल रहा है। डॉ. सुमित गोयल, एसोसिएट डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने संदिग्ध कैंसर वाले रोगियों के क्लीनिकल दृष्टिकोण पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ÷प्रारंभिक चेतावनी संकेतों की समय पर पहचान, व्यवस्थित डायग्नोस्टिक मूल्यांकन और आगे की चिकित्सा के लिए विशेष केंद्रों में उचित रेफरल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।÷ डॉ. गोयल ने यह भी जोर दिया कि, ÷बहुविषयक दृष्टिकोण से निर्देशित समय पर हस्तक्षेप रोगियों की जीवित रहने की संभावना और जीवन-गुणवत्ता को काफी हद तक बेहतर बनाता है।÷ उनके इस सत्र ने सामुदायिक चिकित्सकों को कैंसर की समय पर पहचान और रोगी शिक्षा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने केस स्टडी, रेफरल प्रथाओं और कैंसर निदान एवं उपचार के विकसित होते मानकों पर सार्थक चर्चाएं कीं। इन विचार-विमर्शों ने स्पष्ट किया कि निरंतर चिकित्सा शिक्षा शोध, तकनीक और क्लीनिकल अनुप्रयोग के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करती है। बरेली में आयोजित यह सी एम ई राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र की ÷नैतिकता, संवेदनशीलता और उत्कृष्टता÷ की विचारधारा का उदाहरण रहा - यह न सिर्फ कैंसर के उपचार तक सीमित है, बल्कि यह कैंसर को समझने और उसके प्रबंधन के तरीके को बदलने के प्रति भी प्रतिबद्ध है। अपने आउट रीच कार्यक्रमों, प्रशिक्षण पहलों और शोध-प्रधान दृष्टिकोण के माध्यम से राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने और चिकित्सा समुदाय को जागरूकता, प्रारंभिक पहचान और उन्नत उपचार के साझा उद्देश्य में सहयोग देने के राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वरुप

राजीव गांधी कैंसर संस्थान व आईएमए बरेली का कैंसर देखभाल पर कार्यक्रम आयोजित

बरेली। राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया। सीएमई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि, 'न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।' उनके इस संबोधन ने जांच और उपचार दोनों में तकनीक-आधारित प्रीसीसन के महत्व को रेखांकित किया, जो आज कैंसर प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर बदल रहा है।

Samachar Jyoti

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र और आई एम ए
बरेली ने ऑन्कोलॉजी सी एम ई का आयोजन किया

बरेली । नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन , बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया।सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि, ÷न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।÷ उनके इस संबोधन ने जांच और उपचार दोनों में तकनीक-आधारित प्रीसीसन के महत्व को रेखांकित किया, जो आज कैंसर प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर बदल रहा है।डॉ. सुमित गोयल, एसोसिएट डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने संदिग्ध कैंसर वाले रोगियों के क्लीनिकल दृष्टिकोण पर

चर्चा की। उन्होंने कहा, ÷प्रारंभिक चेतावनी संकेतों की समय पर पहचान, व्यवस्थित डायग्नोस्टिक मूल्यांकन और आगे की चिकित्सा के लिए विशेष केंद्रों में उचित रेफरल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।÷ डॉ. गोयल ने यह भी जोर दिया कि, ÷बहुविषयक दृष्टिकोण से निर्देशित समय पर हस्तक्षेप रोगियों की जीवित रहने की संभावना और जीवन-गुणवत्ता को काफी हद तक बेहतर बनाता है।÷ उनके इस सत्र ने सामुदायिक चिकित्सकों को कैंसर की समय पर पहचान और रोगी शिक्षा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने केस स्टडी, रेफरल प्रथाओं और कैंसर निदान एवं उपचार के विकसित होते मानकों पर सार्थक चर्चाएं कीं। इन विचार-विमर्शों ने स्पष्ट किया कि निरंतर चिकित्सा शिक्षा शोध, तकनीक और क्लीनिकल अनुप्रयोग के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करती है।

बरेली में आयोजित यह सी एम ई राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र की ÷नैतिकता, संवेदनशीलता और उत्कृष्टता÷ की विचारधारा का उदाहरण रहा - यह न सिर्फ कैंसर के उपचार तक सीमित है, बल्कि यह कैंसर को समझने और उसके प्रबंधन के तरीके को बदलने के प्रति भी प्रतिबद्ध है।

अपने आउट रीच कार्यक्रमों, प्रशिक्षण पहलों और शोध-प्रधान दृष्टिकोण के माध्यम से राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने और चिकित्सा समुदाय को जागरूकता, प्रारंभिक पहचान और उन्नत उपचार के साझा उद्देश्य में सहयोग देने के राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।

यूनाइटेड भारत

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र और आईएमए ने ऑन्कोलॉजी सीएमई का आयोजन किया

बरेली । नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ,

बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया।सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें।मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए, राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि, 'न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।' उनके इस संबोधन ने जांच और उपचार दोनों में तकनीक-आधारित प्रीसीसन के महत्व को रेखांकित किया, जो आज कैंसर प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर बदल रहा है।

दैनिक जागरण

आइएमए की क्लिनिकल मीटिंग के दौरान मौजूद पदाधिकारी • सौ. एसोसिएशन

रेडिया आइसोटोप की थैरेपी से जुड़ी आधुनिक जानकारी साझा की

जासं, बरेली : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बरेली इकाई ने राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के सहयोग से आन्कोलाजी विषय पर आयोजित क्लिनिकल मीटिंग का आयोजन आइएमए भवन में किया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता मेडिकल आन्कोलाजी एसोसिएट प्रोफेसर डा. सुमित गोयल ने कैंसर की संभावना वाले रोगी का क्लिनिकल एप्रोच विषय पर जानकारी दी। साथ ही डायरेक्टर न्यूक्लियर मेडिसिन डा. पार्थ एस चौधरी ने इमेजिंग एवं आन्कालोजी में रेडियो आइसोटोप थैरेपी के नवीन अपडेट पर आधुनिक जानकारियां साझा कीं। अध्यक्ष डा. अतुल कुमार श्रीवास्तव, सचिव डा. अंशु अग्रवाल, डा. गिरीश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

स्पष्ट आवाज़

राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र ने किया और ऑन्कोलॉजी सीएमई का आयोजन

बरेली। नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसो, बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों, उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया। सीएमई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसो डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफुल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था, ताकि ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें। मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट- सीटी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए।